सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 171 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 26 जुलाई, 2024

मूल्य ₹ 3/-

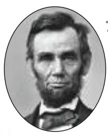

मैं जो भी हूं, या होने की आशा करता हूं, उसका श्रेय मेरी माँ को जाता है।
–अब्राहम लिंकन

धर्म और सत्ता के नशे में अंधी हो गई... 2 | अनिल देशमुख और उपमुख्यमंत्री... 3 | मंत्री जी यहां कब मारेंगे छापा! बिना... 8

केशव प्रसाद मौर्य हैं सिर्फ एक मोहरा : अखिलेश

» बीजेपी की अंतरकलह पर सपा प्रमुख का तंज
» बोले- दिल्ली के वाईफाई का पासवर्ड हैं मौर्य
» भाजपा सरकार ने यूपी को 10 सालों में बर्बाद कर दिया
» सांप्रदायिक राजनीति को पीडीए ने रोका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पिछले कुछ वक्त से उत्तर प्रदेश में भाजपा के अंदर सियासी उठापटक और आंतरिक कलह लगातार जारी है। प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य अब पूरी तरह से आमने-सामने आ गए हैं। सरकार में मची इस कलह ने विपक्ष को भी तंज कसने का पूरा मौका दे दिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव इस बीच लगातार डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पर तंज कस रहे हैं और सरकार पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इस बीच अब एक बार फिर सपा प्रमुख ने प्रदेश सरकार को घेरते हुए आंतरिक कलह पर भी तंज कसा है।

सपा सुप्रीमो और कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव ने आज लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता की। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री खुद इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि सभी विभागों में भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने केशव प्रसाद मौर्य पर नया जुबानी हमला भी बोला। अखिलेश ने कहा कि आप समझ गए होंगे कौन मोहरा है, सुनने में आया है कि मौर्या जी मोहरा हैं। दिल्ली के वाईफाई के पासवर्ड हैं। इस दौरान सपा प्रमुख ने कहा कि सांप्रादियक राजनीति को अगर किसी ने रोका है तो वो पीडीए परिवार के लोग है।

पुलिस वाले ही पुलिस को लूट रहे

प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि यूपी में पुलिस वाले पुलिस को लूटने में लगे हुए है। मैने पहले भी कहा था कि जब प्रदेश में पहला एनकाउंटर हुआ था,तभी इसको रोक दिया गया होता तो ये एनकाउंटर की घटनाएं न बढ़तीं। पुलिस अब एनकाउंटर के लिए रेट तय कर रही है। कानपुर में जो दंगा हुआ था, उसकी कार्रवाई कभी न कभी जरूर होगी। यूपी की जनता का बीजेपी वालों ने 10 सालों में सबकुछ बर्बाद कर दिया है। पूर्व सीएम ने कहा कि बीजेपी ने हर व्यवस्था को बिगाड़ दिया है। हर व्यवस्था, हर विभाग को बर्बाद कर दिया है। बताइए, क्या सरकार ऐसे चलेगी? यूपी ऐसे नहीं चलेगा। उन्होंने यूपी की जनता को धोखा दिया है।

योगी को हटाने की पूरी प्लानिंग हो चुकी है : संजय

सीएम योगी की बैठक में डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक के न जाने को लेकर आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल पहले ही बोल कर चले गए थे कि ये लोग दो महीने में उन्हें हटा देंगे। उस समय बीजेपी की ओर से किसी ने इसका खंडन नहीं किया था। इसलिए आज वहां पर जो कुछ हो रहा है ये बिना पीएम नरेंद्र मोदी के इशारे के संभव नहीं है। ये लोग सीएम योगी को हटाने की पूरी प्लानिंग कर चुके हैं और जल्द ही आपको दिखेगा भी। अगर ये सच नहीं है तो मोदी जी इस बात का खंडन क्यों नहीं करते?

सपा ने आरक्षण दिवस को संविधान-मानस्तंभ के स्थापना दिवस के रूप में मनाया

इससे पहले सपा प्रमुख ने लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी मुख्यालय में संविधान की एक प्रति रखने के लिए स्थापित संविधान मानस्तंभ का भी अनावरण किया। सपा प्रमुख ने कहा कि आरक्षण दिवस 26 जुलाई को समाजवादी पार्टी ने संविधान-मानस्तंभ के स्थापना दिवस के रूप में मनाने का विनम्र निर्णय लिया है। इसी दिन महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा संकल्पित आरक्षण को छत्रपति शाहूजी महाराज ने अपने कोल्हापुर राज्य में लागू करके आरक्षण का शुभारंभ किया था। सामाजिक न्याय की भावना को आरक्षण के रूप में इसी दिन अमल में लाया गया था। जो आगे चलकर हमारे संविधान में एक जनाधिकार के रूप में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने का मूल आधार बना। देश के लोकतंत्र की स्थापना का मूल सिद्धांत भी बना।

हमने दोनों एमवाई को हरा दिया

अखिलेश ने पूछा कि मुख्यमंत्री कौन है? मुख्य सचिव कौन है और विभागों में कौन कौन बैठा है? उत्तर प्रदेश की जनता को क्या मिला? जिस गावों में जितना बना के छोड़ दिया हमने वहां से एक काम आगे नहीं बढ़ा है। सपा प्रमुख ने कहा कि पीडीए परिवार ने दोनों एमवाई को हरा दिया। हम पर आरोप लगते थे की हम एमवाई की पार्टी हैं।

कांग्रेस का मोहरा बन चुके हैं अखिलेश : केशव

अखिलेश द्वारा किए गए तंज पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की ओर से भी पलटवार किया गया। केशव ने कहा कि कांग्रेस का मोहरा बन चुके सपा बहादुर अखिलेश यादव बीजेपी को लेकर गलतफहमी पालने, अति पिछड़ों को निशाना बनाने, अपमान करने की जगह एसपी को समाप्त होने से बचाने पर ध्यान दें। बीजेपी 2027 में 2017 दोहरायेगी, कमल खिला है खिलेगा और खिलता रहेगा।

सभी आरोप झूठे हैं, मैं निर्दोष हूं: राहुल

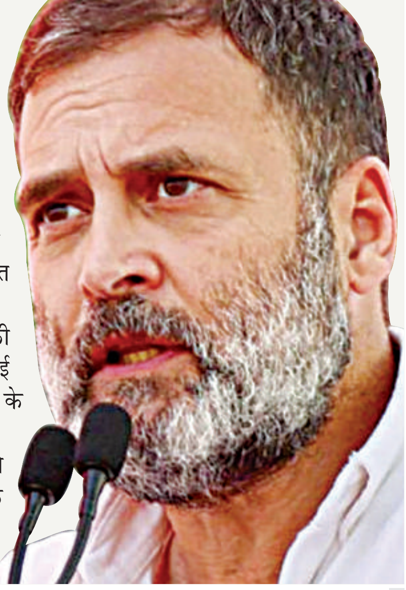

» मानहानि मामले में एमपी एमएलए कोर्ट में पेश हुए कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। मानहानि मामले की सुनवाई के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए। कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने कहा कि राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया और कहा कि मैं निर्दोष हूं, सभी आरोप झूठे हैं और शिकायत राजनीतिक द्वेष के कारण दर्ज की गई है। सुनवाई की अगली तारीख 12 अगस्त तय की गई है और शिकायतकर्ता को उस पर सबूत पेश करना होगा जिस दिन अदालत द्वारा जिरह की जाएगी। सूत्र बताते हैं कि गांधी को उस तारीख पर अदालत में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है।

दरअसल, मामला 2018 का है, जब बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी पर अपमानजनक टिप्पणियों का आरोप लगाया था। जिसमें कांग्रेस सांसद ने अमित शाह को एक हत्या के मामले में अभियुक्त बताया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पहले इस मामले में 20 फरवरी को जमानत दे दी गई थी, जिससे अदालती कार्यवाही में भाग लेने के लिए उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा बाधित हो गई थी। पिछली सुनवाई में, राहुल गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने अदालत को बताया कि 2 जुलाई को उनकी अनुपस्थिति विपक्ष के नेता के रूप में उनके संसदीय कर्तव्यों के कारण थी।

मोची की दुकान पर रुके राहुल, जानी समस्या

कोर्ट से वापस जाते हुए राहुल गांधी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से पहले कूरेभार थाना क्षेत्र के विधायक नगर में अचानक एक मोची की दुकान पर रुक गए। जहां उन्होंने उससे जूते बनाने के बारे में और उसकी समस्या पर बात की। भारत जोड़ो यात्रा के बाद से राहुल अक्सर ही इसी तरह आमजन से मिलते रहते है।

धर्म और सत्ता के नशे में अंधी हो गई है सरकार: सुरजेवाला

बोले- केंद्र को नहीं दिखती किसान की कराह, गरीब की लाचारी और युवाओं की बेरोजगारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में बजट पर चर्चा जारी है। इस दौरान विपक्ष केंद्र सरकार पर पूरी तरह से हमलावर है। इसी क्रम में अब कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बजट पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर हमला बोला। कांग्रेस सांसद ने शायराना अंदाज में वित्त मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि इस बजट को कुर्सी बचाने के लिए लाया गया है। सुरजेवाला ने कहा कि सत्ता और धर्म में ये सरकार क्या इतना ज्यादा डूब चुकी है कि अब उसे किसान, गरीब और युवाओं की जाति भी नजर आती है। 75 साल में पहली बार ऐसा देखने को मिल रहा है।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि वित्त मंत्री ने बजट की शुरुआत तीन शब्दों से की, जो थे किसान, गरीब और युवा। मगर चंद मिनटों में पता चला कि ये बजट कुर्सी बचाओ सहयोगी दल पटाओ और हार का बदला लेते जाओ है। क्या सरकार को देश के अन्नदाता किसान की कराहट, गरीब की लाचारी और युवाओं की बेरोजगारी की चिल्लाहट सुनाई नहीं देती है। क्या जात और धर्म के विभाजन में फंसे सत्ता में बैठे लोग इतने अंधे हो गए हैं कि उन्हें अब अन्नदाता किसान, गरीब और युवा में भी जाति नजर आती है।

केंद्र ने 10 साल में 72 करोड़ अन्नदाताओं के पेट पर मारी लात

कांग्रेस सांसद ने आगे शायराना अंदाज में कहा कि वित्त मंत्री को मैं केवल यही कहूंगा कि किसी गरीब दुपट्टे का कर्ज है उस पर, तुम्हारे पास तो रेशम की शॉल है निर्मला जी। ये बजट खेती विरोधी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 10 साल में देश के 72 करोड़ अन्नदाता किसान मजदूरों की पीठ में लाठी और पेट पर लात मारी है। शरीर के घाव तो मिट गए पर 72 करोड़ अन्नदाता किसानों की आत्मा के घाव आज भी जो के त्यों हैं।

किसानों को आतंकवादी तक कहा गया

रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि पिछले 10 सालों में कभी सीने पर गोली मारी गई तो कभी जीप से किसानों को रौंदा गया। कभी तीन काले कानूनों के खिलाफ न्याय मांगते किसानों के रास्ते में कील-पत्थर बिछाए गए। कभी किसानों को उग्रवादी और आतंकवादी कहा गया। उन्होंने आगे कहा कि करोड़ों मेहनतकशों के आत्मसम्मान पर हमला कर डाला गया और जब उसी अन्नदाता ने 400 पार को 240 पर लाकर खड़ा कर दिया तो आज उसकी आजीविका छीन ली गई।

'बहनों को ठगने में कोई कसर नहीं छोड़ रही सरकार'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। एमपी की मोहन यादव सरकार ने ऐलान किया कि है कि इस बार सावन के महीने में लाडली बहनों के खाते में 250 रुपये अतिरिक्त ट्रांसफर किए जाएंगे। अब इस ऐलान के बाद कांग्रेस ने बीजेपी सरकार को घेरा है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार बहनों को ठगने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सीएम मोहन यादव कह रहे हैं कि लाडली बहनों के अकाउंट में इस बार 250 रुपये ज्यादा दिए जाएंगे, लेकिन वे इस बात का कोई हिसाब नहीं दे रहे कि पिछले रक्षाबंधन पर तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने की घोषणा की थी। वह कितनी लाडली बहनों को मिल रहा है। बहनों को दिए जा रहे 250 रुपये का ढिंढोरा पीटने के बजाय अब सरकार को बहनों से माफी मांगनी चाहिए कि उनसे गैस सिलेंडर और लाडली बहना सम्मान राशि को लेकर जो वादा किया था, उसे बीजेपी ने ना तो निभाया है और न निभाने का कोई इरादा है।

दरबार का नहीं लेकिन शहंशाह का कॉन्सेप्ट है: प्रियंका गांधी

दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदलने पर कांग्रेस नेत्री का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र की नई नवेली एनडीए सरकार ने एक बार फिर नाम बदलने का काम शुरू कर दिया है। केंद्र की ओर से अब राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदल दिया गया है। अब से दरबार हॉल को गणतंत्र मंडप और अशोक हॉल को अशोक मंडप के नाम से जाना जाएगा। इस फैसले के बाद अब मामले पर सियासत भी तेज हो गई है। इसको लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पीएम मोदी पर निशाना साधा।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने नाम बदलने के मामले पर केंद्र की एनडीए सरकार और पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि दरबार का कोई कॉन्सेप्ट नहीं है, लेकिन शहंशाह का कॉन्सेप्ट है। बता दें कि राष्ट्रपति भवन की ओर से गुरुवार 25

जुलाई को जारी एक प्रेस रिलीज में इसकी जानकारी दी गई। बता दें कि पिछले साल ही केंद्र की मोदी सरकार ने राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया था। 'दरबार हॉल' राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रजेंटेशन जैसे खास समारोहों और उत्सवों का स्थल है। राष्ट्रपति भवन में बना अशोक हॉल मूल रूप से एक बॉलरूम था।

मायावती ने किया कांशीराम को भारत रत्न देने का समर्थन

लोकसभा में भाजपा सांसद ने की थी मांग, बसपा सुप्रीमो बोलीं- दलितों की आड़ में न हो राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की शाहजहांपुर लोकसभा सीट से भाजपा सांसद अरुण सागर ने दलितों के बड़े नेता कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग की। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान उन्होंने सदन में कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग की। अब इस पर बसपा सुप्रीमो मायावती की प्रतिक्रिया सामने आई हैं, उन्होंने बीजेपी सांसद की मांग का समर्थन किया और कहा कि बसपा इसका दिल से स्वागत करेगी।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने बीजेपी सांसद द्वारा कांशीराम को भारत रत्न दिए जाने की मांग पर कहा कि उन्हें मांग करने की बजाय तत्काल सरकार द्वारा इसे दिलवाया जाना चाहिए। लेकिन इसकी आड़ में दलितों को गुमराह करने की कोशिश न की जाए। मायावती ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यूपी बीजेपी के एक दलित सांसद द्वारा बीएसपी के जन्मदाता व संस्थापक कांशीराम जी को भारतरत्न की

कांशीराम को बहुजनों का जनक माना जाता है: अरुण सागर

बता दें कि बीजेपी के दलित सांसद अरुण सागर ने शून्य काल के दौरान सरकार से कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की थी। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि कांशीराम को बहुजनों का नायक माना जाता है। वो भारतीय राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक भी थे। उन्होंने जमीनी कार्यकर्ता की तरह काम किया था उनको भारत रत्न से सम्मानित करना सभी लिए गर्व की बात होगी।

उपाधि देने की मांग करने की बजाय केन्द्र की सत्ता में अपनी सरकार से इसे तुरन्त दिलवाये। जिसका बीएसपी भी दिल से स्वागत करेगी। वरना, इसकी आड़ में दलितों को गुमराह करना बंद करें।

'अनिल देशमुख को साजिश के तहत भेजा गया था जेल'

» शिवसेना यूबीटी नेता ने किया देशमुख के दावों का समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में आजकल अनिल देशमुख और देवेंद्र फडणवीस के बीच जुबानी जंग को लेकर माहौल गर्म है। शरद पवार गुट के अनिल देशमुख ने दावा किया है कि देवेंद्र फडणवीस ने एमवीए के नेताओं पर आरोप लगाने के लिए अपने करीबी को भेजा था। अब देशमुख के दावे पर शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

अनिल देशमुख के दावे पर

संजय राउत ने कहा कि अनिल देशमुख महाराष्ट्र के गृह मंत्री थे। वे राज्य के एक वरिष्ठ और प्रमुख राजनेता हैं। हालांकि, उन्हें एक साजिश के तहत जेल भेजा गया था। जेल भेजे जाने से पहले अनिल देशमुख पर दबाव डाला गया था कि वे किसी मामले में उद्धव ठाकरे, शरद पवार, आदित्य ठाकरे का नाम लें। अन्यथा ईडी आपके पीछे लग जाएगी। कई नेताओं को इस रणनीति का इस्तेमाल कर पार्टी में शामिल किया गया।

महाराष्ट्र में मची सियासी मचमच

अनिल देशमुख और उपमुख्यमंत्री फडणवीस में छिड़ी जुबानी जंग

- विस चुनाव से पहले संकट में महायुति गठबंधन
- सीट बंटवारे पर फंस गया पेंच
- अजित पवार ने शाह से मांगी 80-90 सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार फिर सियासी मचमच मची हुई है। एक ओर जहां सत्ताधारी गठबंधन महायुति में ऑल इज नॉट वेल की स्थिति बनी हुई है और अजित पवार की एनसीपी की लगातार अनदेखी की जा रही है। जिसके बाद से ऐसे क्यास लगाए जा रहे हैं कि अजित पवार महायुति का साथ छोड़कर वापस अपने चाचा शरद पवार के पाले में जा सकते हैं। जाहिर है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से ही अजित पवार महायुति में किनारे लगाए जा रहे हैं। कहीं न कहीं आए दिन हो रही अपनी अनदेखी से अजित पवार भी अब नाराज हैं और वो धीरे से महायुति से निकलने की तरकीब साध रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर शिंदे शिवसेना और भाजपा के बीच भी सबकुछ सही नहीं लग रहा है। क्योंकि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच कुछ खटपट चल रही है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद जिस तरह से सीएम शिंदे ने कहा था कि भाजपा के 400 पार के लक्ष्य के कारण चुनाव में नुकसान हुआ। उसके बाद से ही भाजपा और शिंदे में अंदर ही अंदर कुछ पक रहा है। कुल मिलाकर लोकसभा नतीजों के बाद से ही महायुति में मचमच मची हुई है। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एनसीपी शरद पवार गुट के नेता व पूर्व मंत्री अनिल देशमुख के बीच भी सियासी जंग छिड़ गई है। दोनों नेताओं की ओर से लगातार बयानबाजी की जा रही है और एक-दूसरे पर आरोप लगाए जा रहे हैं। दरअसल, ये पूरा मामला एक पेनड्राइव को लेकर है। जिसके बाद दोनों नेताओं की ओर से एक-दूसरे तो चुनौती दी जा रही है और आरोप लगाए जा रहे हैं। इस मामले के सामने आने के बाद अब महाराष्ट्र की सियासत फिर से गरमा गई है।

अनिल देशमुख ने लगाए थे गंभीर आरोप

अगर पूरे मामले की तह तक जाएं, तो पता चलता है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता देशमुख ने आरोप लगाया कि साल 2021 में विपक्ष में रहे देवेंद्र फडणवीस द्वारा कथित रूप से भेजे गए एक व्यक्ति ने उनसे मुलाकात की थी और उसके पास तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उनके बेटे और कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे, तत्कालीन वित्त मंत्री अजित पवार और तत्कालीन परिवहन मंत्री अनिल परब को फंसाने वाले कई हलफनामे थे। पूर्व मंत्री ने दावा किया कि उस व्यक्ति ने उनसे कहा था कि उन्हें खुद को मुकदमेबाजी से बचाने के लिए इन हलफनामों पर दस्तखत कर देना चाहिए, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया था।

कोई चुनौती देगा तो पेश करूंगा सबूत : देशमुख

महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में उस समय एक नया विवाद पैदा हो गया है। जब उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की चेतावनी पर पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख ने पलटवार कर दिया और दोनों नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। पूर्व मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि अगर कोई उन्हें चुनौती देगा तो वह अपने आरोपों का सबूत पेश करेंगे। साथ ही उन्होंने भाजपा नेता को चुनौती देते हुए कहा कि जो भी वीडियो उनके पास हैं उन्हें जगजाहिर कर दें। हाथ में पेन ड्राइव के बारे में पूछे जाने पर देशमुख ने कहा कि इसमें फडणवीस के खिलाफ उनके आरोपों के सबूत हैं। उन्होंने कहा कि अगर मुझे चुनौती दी गई तो मैं अपने पास मौजूद वीडियो जारी करूंगा। मैं बिना सबूत के नहीं बोलता।

मेरे वीडियो को जगजाहिर करें फडणवीसः अनिल

भाजपा नेता फडणवीस की चेतावनी के बाद अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता देशमुख ने एक बार फिर पलटवार किया है। देशमुख ने कहा कि कल मैंने देवेंद्र फडणवीस के ऊपर आरोप लगाए थे कि तीन साल पहले देवेंद्र फडणवीस ने मुझ पर केंद्र शासन के जरिए दबाव डाला था और मुझसे उस समय उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे, अजित पवार के खिलाफ झूठा आरोप लगाने के लिए कहा था। जो आरोप मैंने देवेंद्र फडणवीस पर लगाए थे कि उन्होंने मुझे झूठे आरोप में फंसाया, उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग मेरे पास है। अगर कोई मुझे चुनौती देता है तो मैं उसका खुलासा करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि कल देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि उनके पास मेरी कुछ वीडियो क्लिप हैं, जिसमें मैंने शरद पवार और उद्धव ठाकरे के बारे में बोला है। मेरा उनसे आह्वान है कि उनके पास जो भी मेरा वीडियो है, उसे जगजाहिर करना चाहिए।

फडणवीस ने भी दी थी चेतावनी

इस पर देवेंद्र फडणवीस ने देशमुख को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि फूट से पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं ने मुझे उनके बारे में कुछ ऑडियो टेप दिए हैं, जिसमें वह शरद पवार, उद्धव ठाकरे और सचिन वाजे के बारे में बात कर रहे हैं। यदि मुझ पर झूठे आरोप लगाए जाते हैं तो मेरे पास इस सबूत को सार्वजनिक करने के सिवा कोई विकल्प नहीं होगा। भाजपा नेता व महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने कहा था कि देशमुख उस मामले में बरी नहीं हुए हैं, जिसमें उनपर पुलिस अधिकारियों को 100 करोड़ रुपये जुटाने का निर्देश देने का आरोप है, वह बस जमानत पर बाहर हैं।

आरएसएस ने एनसीपी को बताया हार का जिम्मेदार

उपमुख्यमंत्री मुंबई में कांग्रेस के खिलाफ अल्पसंख्यक समुदाय के प्रभुत्व वाली 4-5 सीटों पर चुनाव लड़ने के भी इच्छुक हैं। सूत्रों ने कहा कि अजित पवार को अपनी पार्टी से तीन निर्दलीय और तीन कांग्रेस विधायकों के चुनाव लड़ने का भी भरोसा है। अजित पवार की अमित शाह से मुलाकात आरएसएस से जुड़े एक साप्ताहिक अखबार द्वारा महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के लिए भाजपा के साथ राकांपा के गठबंधन को जिम्मेदार ठहराए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है।

लोकसभा के बाद एनसीपी पर उठे सवाल

हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में अजित पवार के नेतृत्व में राकांपा ने चार सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे जीत केवल एक ही सीट पर हासिल हुई। अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को बारामती क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतारा था। हालांकि, उन्हें राकांपा-एसपी के प्रमुख शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। बाद में सुनेत्रा पवार को निर्विरोध राज्यसभा सदस्य चुना गया। अजित पवार पिछले साल जुलाई में महाराष्ट्र सरकार में शामिल हुए थे, जिसके बाद उन्हें राज्य का डिप्टी सीएम बना दिया गया। हाल ही में भाजपा के कुछ नेताओं और आरएसएस ने लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन के खराब प्रदर्शन के लिए अजित पवार और उनकी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया था। अजित पवार ने बताया कि उनकी पार्टी को राज्यसभा सीट का आश्वासन दिया गया था जो मौजूदा सांसद उदयनराजे भोसले के लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद खाली हुई थी।

अजित ने शाह से सीट बंटवारे पर की बात

चर्चाएं ये भी हैं कि अजीत पवार ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान एनसीपी के लिए 80-90 सीटों की मांग की है। अमित शाह के साथ अपनी बैठक के दौरान अजीत पवार ने सीट वितरण को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने और लोकसभा चुनाव की तरह आखिरी मिनट तक इधर-उधर भटकने से बचने पर जोर दिया। सूत्रों ने कहा कि अजित पवार उन 54 सीटों पर चुनाव लड़ने पर अड़े थे जो संयुक्त राकांपा ने 2019 के विधानसभा चुनावों में जीती थीं। इनके अलावा अजित पवार की नजर पश्चिमी महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और उत्तरी महाराष्ट्र (खानदेश) क्षेत्र से कांग्रेस के खिलाफ 20 सीटों पर लड़ने पर है।

28 नेताओं ने अजित का साथ छोड़ थामा शरद पवार का हाथ

अजित पवार के लिए मामला उस समय और जटिल हो गया, जब पिंपरी-चिंचवड़ इकाई के शहर अध्यक्ष सहित पुणे के 28 एनसीपी नेताओं ने पार्टी छोड़कर एनसीपी (शरद पवार) में शामिल हो गए। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में लड़ी गई 28 सीटों में से केवल 9 पर जीत हासिल की, जो 2019 में जीती गई 23 सीटों से कम है। अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने सिर्फ एक सीट, रायगढ़ जीती, जबकि शरद पवार गुट को आठ सीटें मिलीं। इस बीच, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का शिवसेना गुट 100 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि भाजपा ने 160 से 170 सीटों का लक्ष्य रखा है।

अजित पवार की शाह से मुलाकात

एक ओर जहां देशमुख और फडणवीस के बीच जुबानी जंग जारी है, तो वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख अजित पवार आगामी विधानसभा चुनावों के लिए महायुति में अपनी आगे की रणनीति तैयार करने में लगे हैं। इसके लिए अजित पवार ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह के साथ मुलाकात कर बैठक की। ये बैठक बुधवार को हुई थी। इसके बाद अब ऐसी जानकारियां भी सामने आ रही हैं कि महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार 28 जुलाई को फिर एक बार दिल्ली का दौरा करेंगे। इस दौरान वो फिर से किसी बड़े नेता के साथ बैठक कर सकते हैं। इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन इस साल अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा करने के लिए तैयार है। बता दें कि इस महायुति गठबंधन में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना, अजित पवार की राकांपा और भाजपा शामिल है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नाम बदलना ही मोदी के विकास की परिभाषा...

"शायद भाजपा व मोदी के लिए नाम बदलना ही विकास की असली परिभाषा है और ये ही देश के लिए सबसे विकासशील कार्य है। इसीलिए सरकार नाम बदलने में बिल्कुल देर नहीं करती। ऐसे में अब जब एक बार फिर देश में भाजपा की सरकार बनी है, तो फिर से ये पुनीत कार्य तो होना ही था। क्योंकि इसी से तो देश तरक्की की सीढ़ियां चढ़ेगा।

केंद्र में जब से भाजपा की सरकार आई है तब से और कुछ हो न हो लेकिन एक काम काफी तेजी से हुआ है और बार-बार हुआ है। ये काम है नाम बदलने का। फिर वो चाहें शहर हो, एरिया हो, सड़क हो, योजना हो, विभाग हो या फिर कोई हॉल-लाइब्रेरी हो, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इन्हें बदलने में पीछे नहीं रहती है। शायद भाजपा व मोदी के लिए नाम बदलना ही विकास की असली परिभाषा है और ये ही देश के लिए सबसे विकासशील कार्य है। इसीलिए सरकार नाम बदलने में बिल्कुल देर नहीं करती। ऐसे में अब जब एक बार फिर देश में भाजपा की सरकार बनी है, तो फिर से ये पुनीत कार्य तो होना ही था। क्योंकि इसी से तो देश तरक्की की सीढ़ियां चढ़ेगा। इसीलिए नई सरकार के गठन के डेढ़ महीने में ही भाजपा ने देशहित में फिर से नाम बदलने का काम किया है। इस बार नाम बदले हैं राष्ट्रपति भवन में स्थित दो हॉल या सभागारों के। केंद्र द्वारा राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदल दिया गया है।

अब दरबार हॉल को 'गणतंत्र मंडप' कर दिया गया है और अशोक हॉल का नाम बदलकर 'अशोक मंडप' कर दिया गया है। यानी देशहित में दो और नाम केंद्र की बीजेपी सरकार द्वारा बदल दिए गए हैं। बता दें कि इससे पहले केंद्र सरकार द्वारा राजपथ का नाम बदलकर 'कर्तव्य पथ' कर दिया गया था। अब जरा एक बार आप खुद सोचकर देखिए कि आए दिन इन सड़कों, शहरों, हॉल, सभागार व योजनाओं का नाम बदलने से आपका क्या भला हो रहा है? या फिर देश का क्या भला हो रहा है? क्या नाम बदलना देशहित में उठाया गया कोई कदम है? क्या इन नामों के बदलने से ही देश की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन और सात ट्रिलियन हो जाएगी? या फिर इन नामों के बदलने से ही देश में महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी जैसी गंभीर समस्याओं का अंत होगा। सवाल ये ही कि आखिर भाजपा या मोदी को इन नामों को बदलने में कितना मजा आता है। क्या मोदी को लगता है कि वो नामों को बदलकर वो वाकई में इतिहास को ही बदल सकते हैं? अगर आप गांधी और नेहरू के नाम वाले स्थान, सड़क या योजनाएं बदल देंगे, तो ऐसा तो नहीं है कि लोग ये भूल ही जाएंगे कि नेहरू, गांधी और इंदिरा ने देश के लिए क्या किया। या फिर ये लोग देश के क्या थे। भले आप कितना भी कुछ बदल लें लेकिन इतिहास में जो बात दर्ज हो चुकी है उसको कहा तक बदल पायेंगे। आखिर साहेब को देश के इतिहास और देश की धरोहरों से इतनी क्या परेशानी है। आखिर नाम बदलकर आप कौनसा विकास कर रहे हैं ?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शिक्षा से ही टूटेगा डेरों और बाबाओं का तिलिस्म

गुरबचन जगत

वर्ष 1971 में मैंने पुलिस सेवा ज्वाइन ही की थी जब बतौर एसएसपी कपूरथला मेरी नियुक्ति हुई। सप्ताह के आखिर में अपने गांव आया, सोचा था सुबह देर से उठूंगा और दिनभर आराम करूंगा। लेकिन मुझे सूर्य उदय से पहले उठना पड़ा जब परिवार के पुराने नौकर ने सूचित किया कि पड़ोस के गांव से जीतू जट्ट नाम का व्यक्ति मुझसे मिलना चाहता है। मुझे याद आया कि जीतू तो वही है जो एक छोटा-मोटा भविष्यवक्ता है और अपने तीर-तुक्कों से लोगों के खोए पशु पाने में मदद किया करता है। लेकिन उस वक्त वह खुद पूरी तरह शर्मिंदा था जब बताया कि उसकी हवेली से उसके अपने बैल चोरी हो गए हैं! मैंने उसे पुलिस में रिपोर्ट लिखवाने को कहा, पर उसने झिझकते हुए कहा कि यह करना उसके धंधे के लिए बुरा सिद्ध होगा क्योंकि लोग कहेंगे खुद पर पड़ी तो पुलिस की मदद लेने चला गया। खैर, उसके पशु मिल गए और उसकी 'साख' सलामत रही।

आमतौर पर माना जाता है कि इस किस्म की गतिविधियां गरीब और अनपढ़ों तक सीमित होती हैं- तो यहां मुझे आपकी गलतफहमी दूर करने दें। यह बात मैं पुलिस सेवा में बहुत साल बिताने और काफी अनुभव पाने के आधार पर कह रहा हूं। यह कहानी है हमारे पूरे देश की और कैसे बहुत से भविष्य बताने वाले, शामन, बाबा और छोटे-मोटे शातिर इतने बड़े हो गए कि सत्ता का तानाबाना तक उनके हाथ में आ गया। इस सदी के शुरू में मैं दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सुरक्षा बल के मुखिया के तौर पर नियुक्त था। कुछ दिनों बाद एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी मुझे मिलने आए और एक तरह से मुझे आदेश दिया कि मैं उनके साथ जाने-माने बाबा के यहां चलूं। मैंने उन्हें बताया कि मैं उस 'भले मानुस' को 'अच्छी तरह' जानता हूं लिहाजा उसके पास नहीं जाऊंगा। मैंने उसका सफर तहसील स्तर से जिला स्तरीय और फिर राजधानी में राज्यस्तरीय होते देखा था, जहां उसकी छवि एक छोटे-मोटे कथित ज्योतिषी की थी, जो भोले-भाले लोगों को अपनी बातों से झूठी तसल्ली परोसता हो (अधिकांश स्थानीय लोग उसकी असलियत से वाकिफ थे और उसका ठेठ पंजाबी में एक हास्यपूर्ण सा उपनाम भी प्रचलित था)।

फिर वह दिल्ली चला आया जो कि उसका मास्टर स्ट्रोक सिद्ध हुआ क्योंकि यहां आकर उसने नए रंग-ढंग के दबंग और चमत्कारी बाबा वाले अवतार में

खूब चांदी काटी। मेरे पूर्व वरिष्ठ अधिकारी मेरे इंकार से कुछ मायूस हुए, फिर भी उन्होंने मुझे यह कहकर मनाने की कोशिश की कि खुद उसने मुझे साथ लाने को कहा है। परंतु मैं अपनी बात पर अड़ा रहा। किंतु इससे पहले मैं जल्दी से आपको इन बाबाओं के सत्संग के अपने निजी अनुभव बताना चाहूंगा (हमारी एजेंसियां इन सबकी खबरें लगातार देती रहती थीं)। ऐसे एक बाबा के यहां वीआईपी लोगों का तांता लगा रहता जिसमें भारत सरकार के सचिव स्तर के अधिकारी और उनकी पत्नियों, केंद्रीय मंत्रियों से लेकर अन्य उच्च पदेन लोग हाजिरी भरते। वे वहां क्या करते रहते थे? कुछ महिलाएं जो वैसे तो अपनी हैसियत की वजह से नकचढ़ी रहती थीं, लेकिन डेरे में बाबा के पैर दबाती, कुछ तो उसके सिर पर चम्पी इत्यादि किया करती थीं। जो वहां देखा वो ऐसा कि उस पर यकीन करने को आंखें मलनी और खुद को चिकोटी काटनी पड़े। यह तथाकथित दैवीय पुरुष राष्ट्रीय स्तर की नीतियों-आर्थिक और राजनीतिक- तक को प्रभावित करने का दम रखते हैं। कुछेक ऐसे दैवीय पुरुष भी थे जो दिल्ली के मालिकों से कहीं ऊंचे दायरों में विचरा करते और हीरे की अंगूठियों से अटी उनकी अंगुलियां बहुत से चमत्कार दिखातीं कुछ नाम लेकर बताऊं, तो दिमाग में धीरेंद्र ब्रह्मचारी, महेश योगी और चंद्रास्वामी कौंध रहे हैं। चलिए फिर से वर्तमान में लौटते हैं, परिदृश्य में जिधर देखो कोई न कोई डेरा और भांति-भांति के रंगों और स्वरूप वाले बाबा नजर आते हैं। कुछ गांव के स्तर के साधारण बाबा हैं, कुछ शहर स्तर के और कुछ राज्यस्तरीय, कुछ आंचलिक स्तर के तो कुछ राष्ट्रीय स्तर वाले। इनमें अधिकांश की शख्सियत में कुछ अंश चमत्कारी पुरुष का, कुछ राजनेता वाला, कुछ व्यापारी, कुछ अकूत जमीन जायदाद का स्वामी और इन सबसे ऊपर है, बातों से प्रभावित करने की कला।

गरीब लोग उनके पास अपनी रोजमर्रा की छोटी-मोटी समस्याओं का चमत्कारी निवारण पाने की चाह लिए जाते हैं, अमीर और अमीर होने को, राजनेता वोट हासिल करने और इसके बूते सत्ता हथियाने की गर्ज से। मेरा यकीन कीजिए, जितना बड़ा डेरा होगा उतना बड़ा उसका वोट बैंक होगा और उतनी ही बड़ी संख्या होगी चुनाव के वक्त दंडवत करने वाले नेताओं की। यह न सोंचे कि मैं यह सब बढ़ा-चढ़ाकर लिख रहा हूं। राज्य सरकार का खुफिया विभाग इन डेरों का आकलन करता है, उनके भक्तों की संख्या और वित्तीय संपत्ति का अनुमान लगाता है। यह सूचना उन्हें डोरे डालने अथवा ब्लैकमेल करने के काम आती है। उनको मुहैया सुरक्षा के ब्योरे के मुताबिक बाबा की हैसियत ऊंची या कम आंकी जाती है।

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस चूक के राजनीतिक निहितार्थ

पुष्परंजन

भारत में इंटेलिजेंस ब्यूरो यानी आईबी का स्टाफ लगभग 25 हजार है। उससे तीन गुना कम अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का स्टाफ है। मात्र 8 हजार। यूएस गवर्नमेंट एग्जीक्यूटिव की एक रिपोर्ट के अनुसार, '2021 में अमेरिकन सीक्रेट सर्विस में लगभग 7,600 कर्मियों की तैनाती थी, जून, 2024 तक 400 स्टाफ और जुड़े। वित्तीय वर्ष 2026 तक इस संख्या को लगभग 10,000 कर्मचारियों तक बढ़ाने की योजना है।' क्या स्टाफ की कम संख्या की वजह से वीवीआईपी सुरक्षा लचर रही, या फिर ये हैं ही वैसे? पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हमले के बाद से यह सवाल, अमेरिकी सोशल मीडिया पर जेरे बहस रहा है। इंटेलिजेंस ब्यूरो के कर्मचारियों की संख्या बढ़ा भर देने से हमले रोके जा सकते हैं, तो महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या नहीं हुई होती। वर्ष 1967 की भुवनेश्वर चुनावी रैली को याद कीजिये, जब पत्थरबाजी में इंदिरा गांधी की नाक पर गंभीर चोट लगी।

सूचना तंत्र मजबूत होता, तो दो अक्टूबर, 1986 को राजघाट पर करमवीर सिंह नामक शख्स तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर गोली नहीं चला पाता। वहीं 5 जनवरी, 2022 को फिरोजपुर दौरे के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफिले में सुरक्षा चूक नहीं हुई होती। लेकिन सवाल है कि जब अमेरिका महफूज नहीं है, तो दुनिया का कौन-सा हिस्सा सुरक्षित है? यह सवाल विक्रम-बेताल की तरह हमारे कंधों पर टंगा रहेगा। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल का इस्तीफा दिया जाना, उन अटकलों को मजबूत करता गया, जो इनकी क्षमता से लेकर 'कॉन्सपिरेसी थ्योरी' तक केंद्रित थी। ट्रंप पर गोली दागने वाली घटना के प्रकारांतर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल सोमवार को कांग्रेस की एक समिति के सामने पेश हुईं, तो न तो जनता, और न ही कांग्रेस को इस बारे में ज्यादा जानकारी मिली। चीटल ने स्वीकार किया कि ट्रम्प की रैली में हुई शूटिंग से हमारे एजेंट बेखबर थे। अमेरिकी खुफिया प्रमुख और आंतरिक मंत्रालय की चुप्पी ने भारत समेत दुनियाभर में अटकलों का बाजार गर्म किया था। भारतीय सोशल मीडिया के तुर्रम खान, खम ठोक कर कहने लगे कि हो न हो, यह सारा कुछ ट्रंप का किया धरा है, जिससे चुनावी तस्वीर उनके पक्ष में बदल जाये।

रिपब्लिकन इस पर अड़े हुए थे, कि दो साल की अवधि में सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने ट्रम्प के सार्वजनिक कार्यक्रमों में अधिक एजेंटों और मैग्नेटोमीटर के लिए बार-बार अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया, बाहरी स्थानों के लिए अतिरिक्त स्नाइपर्स देने से भी मना किया था। मंगलवार को सीक्रेट प्रमुख पद से इस्तीफा देने से पहले चीटल ने कांग्रेस से कहा, 'जिस दिन यह काण्ड हुआ, जितना अनुरोध ट्रंप की तरफ से किया गया था, उन्हें दिया गया।' सोशल मीडिया इस घटना को लेकर दो खेमों में बंटा हुआ था। जो लोग पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा मानते थे, उन्होंने इसे एक फर्जी घटना बताकर खारिज कर दिया। एक्स और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म, 'प्री-प्लांड' और 'मंचित किये जाने' वाले आरोपों के पोस्ट से भर गए। एलन मस्क तक ने एक्स पर सवाल कर दिया, 'एक स्नाइपर को पूरी राइफल किट के साथ राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के सबसे नजदीकी छत पर रेंगने की अनुमति कैसे दी गई?'

अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था की जो धाक समय-समय पर दुनियाभर में जमाने की कोशिशें होती रही, ट्रंप कनपट्टी काण्ड से धराशायी हुई है। अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ 1 कैनेडी की 22 नवंबर, 1963 को टेक्सास के डलास में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनके हत्यारे का नाम था, ली हार्वे ओसवाल्ड, जो एक पूर्व अमेरिकी मरीन था। जेम्स अर्ल रे एक अनजान सा अमेरिकी भगोड़ा था, जिसने 4 अप्रैल, 1968 को मार्टिन लूथर किंग 'जूनियर' की हत्या कर दी थी। कैनेडी और किंग की हत्याओं के बाद कई लोगों को यह स्वीकार करने में कठिनाई हुई कि एक अकेला, परेशान, महत्वहीन व्यक्ति इतिहास बदल सकता है। अधिकांश लोग सीक्रेट सर्विस को एक ऐसा संगठन मानते हैं, जो राष्ट्रपति और हाई प्रोफाइल शख्सियतों की सुरक्षा करता है। 1865 में जब इसकी स्थापना हुई थी, तब सीक्रेट सर्विस यूएस ट्रेजरी विभाग का हिस्सा थी। इसका काम धोखाधड़ी और नकली मुद्रा का पता लगाना था। 20 साल बाद सीक्रेट सर्विस ने तत्कालीन राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड को अनौपचारिक सुरक्षा प्रदान करना शुरू किया। 6 सितम्बर, 1901 को राष्ट्रपति विलियम मैकिनले की हत्या के बाद, सीक्रेट सर्विस ने राष्ट्रपतियों की सुरक्षा को अपने आधिकारिक कर्तव्यों में शामिल कर लिया।

सीक्रेट सर्विस अभी भी वित्तीय अपराधों, धोखाधड़ी की जांच करती है, और हाई प्रोफाइल शख्सियतों को सुरक्षा संबंधी जानकारी प्रदान करती है। वर्ष 2003 में सीक्रेट सर्विस को होमलैंड सुरक्षा विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया था। लेकिन, पिछले एक दशक में कुछ ऐसी घटनायें हुईं, जिससे सीक्रेट सर्विस विवादों में घिरी रही है। वर्ष 2011 में सेमी-ऑटोमैटिक राइफल से लैस एक बंदूकधारी ने व्हाइट हाउस पर कई गोलियां चलाईं। वर्ष 2014 में चाकू के साथ एक घुसपैठिया व्हाइट हाउस की बाड़ फांदकर सामने के दरवाजे से अंदर चला गया था। 2015 में कथित तौर पर नशे में धुत एजेंटों ने व्हाइट हाउस में एक कार को दुर्घटनाग्रस्त कर दिया था। जो ट्रंप आज सीक्रेट एजेंसी के राजनीतिकरण का आरोप लगा रहे हैं, उन्होंने अपने समय में उसका दुरुपयोग भी किया था।

बारिश के मौसम में बनाएं मैंगो पेड़ा

बारिश में मौसम काफी सुहाना हो जाता है इस मौसम में खाने पीने का मजा अलग ही होता है। इस मौसम में आम आने भी शुरू हो जाते हैं। बाजार में गुजरते वक्त आम की खूशबू लोगों को अपनी तरफ आकर्षित कर ही लेती है। आम एक ऐसा फल है, जिसे हर कोई खाना पसंद करता है। गर्मियों में ये शरीर को काफी फायदा भी पहुंचाता है। अगर आपको और आपके घरवालों को आम खाना पसंद है, पर आप इसे अलग तरीके से खाना चाहते हैं जिसे खाकर आपके घरवाले आपकी तारीफ करते थकेंगे नहीं। इसको बनाकर आप फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

सामग्री

मैंगो प्यूरी (3 से 4 कप), मिल्क पाउडर (3 से 4 कप), बादाम (10 से 12),घी (3 चम्मच), चीनी (1/4 कप), इलायची पाउडर (1 बड़ी चुटकी), पिस्ता (सजाने के लिए), मेवे या चांदी का पन्ना (गार्निशिंग के लिए), फूड कलर (एक चुटकी), केसर (1 बड़ी चुटकी), कंडेंस्ड मिल्क (3 से 4 कप)।

विधि

आम का पेड़ा बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में घी लेकर उसे गर्म करें। अब इसमें कंडेंस मिल्क और मिल्क पाउडर मिक्स डालें और इन्हें गाढ़ा होने तक पकाएं। इसको पकाते वक्त गैस कम होनी चाहिए, वरना ये जल जाएगा। अच्छे से पकने के बाद इसे एक प्लेट में निकाल लें। अब दूसरे पैन में घी गर्म करके मैंगो प्यूरी, केसर और इलायची पाउडर डालें और इसे अच्छे से पकाएं। जब ये पक जाए तो इसमें पहले पकाया हुआ कंडेंस मिल्क और मिल्क पाउडर मिक्स कर दें। अब इसे लगातार चलाते रहें। जब ये गाढ़ा हो जाए तो इसे एक प्लेट में निकाल लें। ठंडा होने के बाद इसके पेड़े बनाएं। पेड़ों को सजाने के लिए पिस्ता, केसर के धागे और मेवे या चांदी का पन्ना भी इस्तेमाल करें। जब पेड़े बन जाएं तो इसे फ्रिज में सेट होने के लिए रख दें। जब आप इसे अपने घरवालों को परोसेंगे तो हर कोई खाकर इसकी तारीफ करेगा।

हल्की भूख को मिटाएगी चटपटी भेलपुरी

गर्मियों के मौसम में हर कोई हल्का खाना ही पसंद करता है। यही वजह है कि लोग खाने में काफी हल्की डाइट ही लेते हैं। जिस कारण से थोड़ी-थोड़ी देर में भूख लग जाती है। खासकर बात करें बच्चों की तो उन्हें तो हर थोड़ी देर पर कुछ खाने को चाहिए ही। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसी डिश के बारे में बताएंगे, जो झटपट तैयार भी हो जाती है और इसे बच्चे से लेकर बड़े तक हर कोई पसंद भी करता है। भेलपुरी हमारे देश का एक फेमस स्ट्रीट फूड है।

जरूरी सामान

मुरमुरे (परमल)-4 कप, प्याज बारीक कटी- 1/2 कप, टमाटर बारीक कटे - 1/2 कप (वैकल्पिक), आलू उबला-1, हरी चटनी- 1/2 कप, खजूर-इमली चटनी- 3/4 कप, हरी मिर्च कटी- 1 टी स्पून, चाट मसाला-1 डेढ़ टी स्पून, नींबू रस-2 टी स्पून, लहसुन चटनी-2 टेबलस्पून, हरा धनिया- 1/4 कप, कच्चे आम के टुकड़े- 1 टेबलस्पून, क्रश की पापड़ी- 1/2 कप, सेव- 1 कप, तली मसाला चना दाल- 1 टेबलस्पून, नमक- स्वादानुसार।

विधि

भेलपुरी बनाने के लिए सबसे पहले प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और हरी धनिया पत्ती को बारीक-बारीक काट कर रख लें। इसके बाद उबले हुए आलू को भी टुकड़ों में काट लें। अब एक बड़े कटोरे में मुरमुरा लें। इसके बाद कटोरे में कटी प्याज, आलू, टमाटर, हरी मिर्च डालें। इसके बाद अब इसमें लहसुन की चटनी, हरी चटनी और खजूर-इमली की चटनी डालकर इसे अच्छे से मिलाएं। इसमें चाट मसाला, नींबू का रस और स्वाद के अनुसार नमक डालें। सभी चीजों को अच्छे से मिलाने के बाद ऊपर से पापड़ी, तली मसाला चना दाल, कच्चे आम के टुकड़े, सेव, हरा धनिया डाल कर इसे परोसें। इसे खाने के बाद आपके बच्चों के साथ-साथ अन्य घर वालों की भूख भी मिट जाएगी।

हंसना मना है

पत्नी सब्जी लेने में इतना मोलभाव कर रही थी कि पति परेशान हो गया, पति : मेहरबानी करके जल्दी खरीदो। ऑफिस के लिए लेट हो रहा हूं, पत्नी : तुम बीच में मत बोलो, जल्दी-जल्दी के कारण ही तुम जैसा पति मिला है मुझे। अब सब्जी के मामले में जल्दी नहीं करूंगी...

पत्नी दर्द से कराहते हुए- सुनो... मेरे सीने में बहुत तेज दर्द हो रहा है, शायद हार्ट अटैक आया है, जल्दी से एंबुलेंस बुलवाओ ना...

पती (जल्दी-जल्दी में)- ठीक है फोन करता हूं। जरा, अपने मोबाइल का पासवर्ड बताओ... पत्नी- चलो रहने दो, अभी रुक जाओ पहले से ठीक लग रहा।

ससुर : अरे दामाद जी क्या हाल हैं आपके? दामाद जी : बस आपकी ही माया है, ससुर : अरे दामाद जी, तूफान की क्या खबर है? दामाद : कूलर के आगे सो रही है, कहिए तो बात करा दूं।

कहानी

एक छोटी सी अच्छी आदत

एक नगर में दो दोस्त रहते थे। बचपन में दोनों साथ पढ़ते और खेलते थे। पढ़ाई पूरी होने के बाद दोनों दोस्त अपने अपने जीवन में व्यस्त हो गए। एक दोस्त ने खूब मेहनत की और बहुत पैसा कमा लिया। जबकि दूसरा दोस्त बहुत आलसी था। वह कुछ भी काम नहीं करता था। उसका जीवन ऐसे ही गरीबी में कट रहा था। एक दिन अमीर व्यक्ति अपने बचपन के दोस्त से मिलने गया। अमीर व्यक्ति ने देखा की उसके दोस्त की हालत बहुत खराब है, उसका घर भी बहुत गंदा था। गरीब दोस्त ने बैठने के लिए जो कुर्सी दी, उस पर धूल थी। अमीर व्यक्ति ने कहा कि तुम अपना घर इतना गंदा क्यों रखते हो? गरीब ने जवाब दिया कि घर साफ करने से कोई लाभ नहीं है, कुछ दिनों में ये फिर से गंदा हो जाता है। अमीर ने उसे बहुत समझाया कि घर को साफ रखना चाहिए, लेकिन वह नहीं माना। जाते समय अमीर व्यक्ति ने गरीब दोस्त को एक बहुत ही सुंदर गुलदस्ता उपहार में दिया। गरीब ने वह गुलदस्ता अलमारी के ऊपर रख दिया। इसके बाद जब भी कोई व्यक्ति उस गरीब के घर आता तो उसे सुंदर गुलदस्ता दिखता, वे कहते कि गुलदस्ता तो बहुत सुंदर है, लेकिन घर इतना गंदा है। बार-बार एक ही बात सुनकर गरीब ने सोचा कि ये अलमारी साफ कर देता हूं, उसने अलमारी साफ कर दी। अब उसके घर आने वाले लोगों ने कहा कि गुलदस्ता बहुत सुंदर, अलमारी भी साफ है, लेकिन पूरा घर गंदा है। ये बातें सुनकर गरीब व्यक्ति ने अलमारी के साथ वाली दीवार साफ कर दी। अब जो भी लोग उसके घर आते सभी उसी कोने में बैठना पसंद करते थे, क्योंकि वहां साफ-सफाई थी। गरीब व्यक्ति ने एक दिन गुस्से में पूरा घर साफ कर दिया और दीवारों की पुताई भी करवा दी। धीरे-धीरे उसकी सोच बदलने लगी और उसने काम करना शुरू कर दिया। हमारी एक छोटी-सी अच्छी आदत हमारी सोच बदल सकती है, जिससे हमारा जीवन बदल सकता है। अच्छी आदतों से बड़ी-बड़ी बाधाएं भी दूर की जा सकती हैं। ऐसे ही, भगवान एवं उनके मंदिर को प्रणाम करना प्रारम्भ करें। धीरे-धीरे अपनी रूचि को और अधिक बढ़ाइए, पूजा-पाठ शुरू कीजिये। प्रतिदिन ध्यान, जप एवं नाम जप की आदत बनाइये।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन बना रहेगा। सही काम का भी विरोध होगा।

वृषभ लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी।

मिथुन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े।

कर्क कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी।

सिंह आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। परिवार की चिंता बनी रहेगी।

कन्या किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

तुला प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं। फालतू बातों पर ध्यान न दें। लाभ में वृद्धि होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

धनु दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें।

कुम्भ दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

लॉरेंस बिश्नोई से मुझे और मेरे परिवार को खतरा : सलमान

सलमान खान को पिछले कुछ समय से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। इसी साल 14 अप्रैल को तड़के 4 बजे के आस-पास 2 बाइक सवार लोगों ने उनके घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग भी की गई थी। इसके बाद से ही मुंबई पुलिस इस मामले में जांच में जुटी है और इसके चलते कई बार सलमान और उनके परिवार का बयान भी दर्ज किया जा चुका है। क्राइम ब्रांच ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जब मामले की जांच शुरू की गई तो केस के तार गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साथ जुड़े। वहीं, इस केस में सलमान ने भी अपना बयान दर्ज कराया था, जो अब वायरल हो रहा है। चलिए जानते हैं एक्टर ने पुलिस को क्या बताया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान ने पुलिस को दिए एक स्टेटमेंट में कहा है, लॉरेंस बिश्नोई मुझे और परिवार को मारने के लिए मेरे घर के बाहर गोलीबारी कराई थी। खबर है कि अब मुंबई की एक विशेष अदालत ने कहा है कि सलमान खान के घर हुई फायरिंग के मामले में गिरफ्तार किए गए 6 आरोपियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया रिकॉर्ड में पर्याप्त सामग्री है। फिलहाल सभी आरोपी गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में हैं। बता दें कि सलमान खान ने पहले भी अपना एक स्टेटमेंट जारी कराया था, जिसमें उन्होंने बताया था कि जब उनके घर के बाहर फायरिंग की गई उस रात वह क्या कर रहे थे। क्राइम ब्रांच को दिए अपने बयान में सलमान ने कहा था, पेशे से मैं एक फिल्म स्टार हूं और पिछले करीब 35 सालों से हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहा हूं। बांद्रा बैंडस्टैंड स्थित मेरे घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर खास मौकों पर अक्सर चाहने वालों की भीड़ जमा हो जाती है। फैंस के प्रति प्यार दिखाने के लिए मैं भी अपने फ्लैट की बालकनी पर आता हूं।

अब अजय देवगन की फिल्म 'औरों में कहां दम था' में सुनाई देगी मैथिली की सुरीली आवाज

गायिका मैथिली ठाकुर किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। अपनी सुरीली आवाज के लिए मशहूर मैथिली अपने भजन और लोकगीतों से दिल जीत लेती हैं। मैथिली अपनी मेहनत के जरिए यहां तक पहुंची हैं, लेकिन कहा जाए कि उन्हें सफलता की सीढ़िया चढ़ाने में सोशल मीडिया की भी भूमिका रही है तो गलत नहीं होगा। तकनीक के उभरते दौर में जब लोगों ने फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे मंचों पर दस्तक दी तो मैथिली ठाकुर ने इस मंच पर भजन गायन से प्रशंसकों का अच्छा आधार बना लिया।

मूल रूप से वह बिहार से हैं। उनका जन्म 25 जुलाई 2000 को बिहार के मधुबनी जिले के छोटे से गांव बेनीपट्टी में हुआ। मैथिली को बचपन से ही संगीत के सुरों का साथ मिलने लगा। उनके पिता पेशे से संगीत के शिक्षक हैं। मैथिली के दोनों भाई- ऋषभ ठाकुर और अयाची ठाकुर भी संगीत में अच्छे-खासे जानकार हैं। सिंगिंग रियलिटी शो में मिला मौका मैथिली ठाकुर कई सिंगिंग रियलिटी शो का भी हिस्सा रही हैं। पहली बार उन्होंने लिटिल चैंप्स में जगह बनाई, लेकिन वह शो का हिस्सा नहीं बन सकीं। इसके बाद उन्होंने छह और रियलिटी शो में ऑडिशन दिए, लेकिन बार-बार नाकामयाबी हाथ लगी। उनकी सफलता 2017 में रियलिटी शो राइजिंग स्टार इंडिया के साथ आई, जहां उन्होंने अपनी असाधारण प्रस्तुति से दर्शकों और जजों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक लोक गीतों की उनकी प्रस्तुति ने उन्हें सिंगिंग स्टार्स में एक अलग दर्जा दिया।

विजय देवरकोंडा की वीडी 12 में हुई भाग्यश्री बोरसे की एंट्री

विजय देवरकोंडा अपनी नई फिल्म वीडी 12 की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसका निर्देशन गौतम तिन्नानुरी कर रहे हैं। यह एक्शन ड्रामा फिल्म 2025 में रिलीज होगी। अभी तक इस बात का खुलासा नहीं हो पाया था कि कौन सी अभिनेत्री फिल्म में मुख्य किरदार निभाएंगी, लेकिन अब इस राज से परदा उठ गया है, क्योंकि उस अभिनेत्री ने खुद ही इसकी जानकारी दे दी है। वीडी 12 में विजय देवरकोंडा के साथ अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे अभिनय करती हुई दिखाई देंगी। वो इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म मिस्टर बच्चन को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनकी और रवि तेजा की जोड़ी देखने को मिलेगी। यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 को रिलीज होने वाली है। इसका निर्देशन हरीश शंकर ने किया है। भाग्यश्री बोरसे के वीडी 12 से जुड़ने का खुलासा खुद उन्हीं की एक इंस्टाग्राम स्टोरी से हुआ है। उन्होंने हाल ही में, एक फोटो को अपनी स्टोरी में पोस्ट किया, जिसमें फिल्म की शूटिंग होती हुई दिख रही है। भाग्यश्री ने इस फोटो के साथ लिखा- यहां अन्ना, मैं भी। उन्होंने इस तस्वीर में कोलंबो की लोकेशन भी लिखी है।

वीडी 12 के निर्माताओं ने खुद ही इस बात की जानकारी दी थी कि फिलहाल श्रीलंका में फिल्म की शूटिंग चल रही है। हाल ही में, फिल्म से विजय देवरकोंडा का लुक भी सोशल मीडिया पर लीक हो गया था, जिसके बाद निर्माताओं ने सभी से गुजारिश की थी कि इसे साझा न किया जाए और जानकारी देते हुए कहा था कि जल्द ही वीडी 12 का फर्स्ट लुक जारी किया जाएगा। फिल्म में अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत सुनने को मिलेगा। फिल्म का निर्माण सितारा एंटरटेनमेंट और फॉर्च्यून फोर सिनेमा द्वारा किया जा रहा है।

अजब-गजब | इस रिवाज की वजह जान रह जाएंगे हैरान

यहां साल में पांच महीने विधवा की तरह जीवन यापन करती हैं सुहागिनें

हमारे देश में अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग रीति रिवाज और परंपराएं देखने को मिलती हैं। कई रीति रिवाज और परंपराएं इतनी अजीबोगरीब होती हैं, जिनके बारे में जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। आज हम आपको ऐसी ही एक अनोखी परंपरा के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। भारत में किसी भी शादीशुदा महिला के लिए सुहाग की निशानियां जैसे मंगलसूत्र, मांग में सिंदूर बहुत जरूरी माना जाता है। लेकिन एक समुदाय ऐसा भी है, जहां महिलाएं सुहागन होते हुए भी हर साल विधवा बन जाती हैं।

हिंदू धर्म में शादी के बाद एक सुहागिन स्त्री को सिंदूर, बिंदी, महावर, मेहंदी जैसी चीजों से श्रृंगार करना जरूरी माना जाता है। माना जाता है कि स्त्रियां अपने पति की लंबी उम्र के लिए ही सोलह श्रृंगार करती है और उनके लिए व्रत रखती हैं लेकिन एक समुदाय ऐसा भी है जहां की महिलाएं पति के जीवित होते हुए भी हर साल कुछ समय के लिए विधवाओं की तरह रहती हैं। दरअसल, हम

बात कर रहे हैं गछवाहा समुदाय की। इस समुदाय की महिलाएं लंबे समय से इस रिवाज का पालन करती आ रही हैं।

इस समुदाय की महिलाएं पति के जिंदा होते हुए भी हर साल 5 महीने के लिए विधवाओं की तरह रहती हैं। यहां की महिलाएं अपनी पति की लंबी उम्र की कामना करते हुए हर साल विधवाओं की तरह रहती हैं। गछवाहा समुदाय के लोग पूर्वी उत्तर प्रदेश में रहते हैं।

दरअसल, इस समुदाय के आदमी पांच महीने तक पेड़ों से ताड़ी उतारने का काम करते हैं। इसी दौरान महिलाएं विधवाओं की तरह जिंदगी जीती हैं। ये वही महिलाएं होती हैं, जिनके पति ताड़ी उतारने जाते हैं। इस वक्त महिलाएं न तो सिंदूर लगाएंगी और न ही माथे पर बिंदी लगाती हैं। इसके अलावा वह किसी तरह का कोई श्रृंगार भी नहीं करतीं।

बता दें कि गछवाहा समुदाय में तरकुलहा देवी को कुलदेवी के रूप में पूजा जाता है। जब समुदाय के सभी पुरुष ताड़ी उतारने का काम करते हैं तो उनकी पत्नियां अपना सारा श्रृंगार देवी के मंदिर में रख देती हैं। बता दें कि जिन पेड़ों (ताड़ के पेड़) से ताड़ी उतारी जाती है वे बहुत ही ऊंचे होते हैं और जरा सी भी चूक होने पर इंसान पेड़ से नीचे गिर सकता है और इससे उसकी मौत हो सकती है। इसलिए यहां की महिलाएं कुलदेवी से अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं और श्रृंगार को उनके मंदिर में रख देती हैं। इस समुदाय के लोगों का ऐसा मानना है कि महिलाओं द्वारा कुलदेवी को समर्पित किए गए अपने श्रृंगार के सामान से कुलदेवी प्रसन्न हो जाती है और उनके पति कई महीनों के काम के बाद सकुशल लौट आते हैं।

हवाई जहाज के पंखों में क्यों भरते हैं ईंधन? सिर्फ जगह बचाते हैं या कुछ और है असली वजह

एक वक्त था, जब लोग एक जगह से दूसरी जगह पर पहुंचने में कई-कई दिन लगा देते थे। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं, विज्ञान ने यात्रा के लिए ऐसे वाहनों का आविष्कार कर दिया कि इंसान कुछ ही घंटों में लंबी से लंबी दूरी तय कर सकता है। हालांकि हवा में हमें उड़ाकर पहुंचाने वाले एयरक्रॉफ्ट के बारे में बहुत सी चीजें ऐसी हैं, जिन्हें हम नहीं जानते। एक ऐसे ही दिलचस्प सवाल का जवाब हम आपको आज बताएंगे। कुछ ऐसे तथ्य होते हैं, जिनके बारे में हम यूं तो नहीं सोचते लेकिन जब ये दिमाग में आते हैं, तो लगता है कि पहले क्यों इसका जवाब नहीं ढूंढा। एक ऐसा ही सवाल ये है कि आखिर हवाई जहाज के पंखों में इसका ईंधन क्यों भरा जाता है? क्या आपको इसका जवाब पता है? अगर नहीं, तो चलिए आज हम आपको इसके बारे में विस्तार से बताते हैं।

ऑनलाइन डिस्कशन प्लेटफॉर्म कोरा पर किसी ने ये सवाल पूछा तो तरह-तरह के जवाब आए। एविएशन एक्सपर्ट रेबेका विलियम्स ने बताया कि जहाज के संतुलन को बनाए रखने के लिए ईंधन को जहाज के पंखों में स्टोर किया जाता है। ईंधन का वज़न ज्यादा होता है और अगर इसे एयरक्राफ्ट की मेन बॉडी में कहीं स्टोर किया जाएगा तो सामान रखने की जगह कम हो जाएगी। फ्यूल को प्लेन के पिछले हिस्से में रखने से फ्लाइट का वज़न बढ़ जाएगा और प्लेन जैसे ही उड़ेगा, तो बैलेंस बिगड़ जाएगा। फ्यूल खत्म होने पर लैंडिंग के वक्त इसका आगे का हिस्सा झुक जाएगा। संतुलन की इसी समस्या से बचने के लिए फ्यूल को विंग्स में स्टोर करते हैं। रेबेका ने बताया कि विंग्स में ईंधन स्टोर करने से पंखों पर दबाव भी कम हो जाता है और ईंधन का भार पूरे एयरफ्रेम में समान रूप से फैल जाता है। अगर कोई दिक्कत आती है तो गुरुत्वाकर्षण की वजह से ईंधन बिना पंपों के ही इंजन में फ्लो होता रहता है। बाहर से बड़े दिखने वाले विंग्स अंदर से खोखले होते हैं। ऐसे में पंखों में ईंधन स्टोर करने से प्लेन का वज़न संतुलित रहता है और विमान में किसी तरह का तनाव नहीं आता है।

फिर योगी की बैठक में नहीं पहुंचे केशव

भाजपा में नहीं थम रही अंतरकलह

» सीएम ने मेरठ और प्रयागराज मंडल की बुलाई थी बैठकें

» डिप्टी सीएम ने फिर कई नेता-मंत्रियों के साथ की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी भाजपा में मची रार थमने का नाम ही नहीं ले रही है। आए दिन सीएम योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बीच की दूरियां बढ़ती जा रही हैं। अब एक बार फिर केशव प्रसाद मौर्य और सीएम योगी के बीच की तल्खियां खुलकर सामने आ गईं। जब बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बैठक बुलाई थी जिसमें एक बार फिर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य नहीं पहुंचे। जबकि वह सीएम आवास के बगल में ही स्थित अपने सरकारी आवास पर रहे और कई पूर्व व वर्तमान मंत्रियों से मुलाकात की।

इस जानकारी के सामने आने के बाद प्रदेश की सियासत एक बार फिर गर्मा गई है। दरअसल, मुख्यमंत्री मंडलवार भाजपा और सहयोगी दलों के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर लोकसभा चुनाव के हार की समीक्षा कर रहे हैं। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री ने मेरठ और प्रयागराज मंडल की बैठक बुलाई थी। प्रयागराज मंडल की बैठक में भाजपा के साथ अपना दल (एस) के विधायक भी पहुंचे थे, लेकिन उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या नहीं पहुंचे, जबकि वह लखनऊ में ही थे। बैठक में पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, नंद गोपाल गुप्ता उर्फ नंदी समेत सभी विधायक पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से विधानसभावार लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर चर्चा की और हार के कारणों की जानकारी ली। यह पहली बार नहीं है, लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद से ही केशव मुख्यमंत्री की मौजूदगी में होने वाली किसी भी बैठक में नहीं जा रहे हैं। यहां तक वह कैबिनेट की बैठकों से भी दूरी बनाए हुए हैं। इसे लेकर सियासी गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। बैठक में शामिल न होने को लेकर केशव से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया। अलबत्ता केशव के एक करीबी का कहना है कि जिस समय सीएम की बैठक थी, उस समय उप मुख्यमंत्री का कहीं एक और कार्यक्रम था, इसलिए वह बैठक में नहीं पहुंच पाए।

लोस चुनाव के बाद से किसी बैठक में नहीं शामिल हुए केशव

पूर्व मंत्री मोती सिंह समेत कई लोगों से मिले केशव

केशव सीएम की बैठक में भले ही नहीं गए, पर पूरे दिन अपने आवास पर नेताओं व जनप्रतिनिधियों से मिलते रहे। केशव से बृस्पतिवार को पूर्व मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, पूर्व मंत्री उपेन्द्र तिवारी और राज्यमंत्री दिनेश खटीक समेत कई लोगों ने मुलाकात की। इसकी जानकारी खुद केशव ने अपने एक्स हैंडल से देते हुए फोटो भी शेयर किया है।

केशव को हराने वाली पल्लवी पटेल ने की योगी से मुलाकात

इसी बीच अपना दल (कमेरावादी) की नेता और सपा विधायक पल्लवी पटेल ने भी सीएम से मुलाकात कर प्रदेश के सियासी माहौल को गरमा दिया है। बता दें कि ये वो ही पल्लवी पटेल हैं जिन्होंने केशव प्रसाद मौर्य को 2022 के विधानसभा चुनाव में सिराथू विधानसभा सीट से हराया था। ऐसे में केशव की नाराजगी के बीच पल्लवी पटेल का सीएम योगी से मिलना प्रदेश की राजनीति में एक नया ही भूचाल लाता है। सूत्रों के मुताबिक पल्लवी मुख्यमंत्री आवास पर करीब 25-30 मिनट रही। पल्लवी की सीएम से क्या बात हुई इस पर पल्लवी कुछ बताने को तैयार नहीं हैं। जबकि उनके करीबी सूत्रो का कहना है कि वह अपने क्षेत्र के विकास के मुद्दे पर मुख्यमंत्री से मिलने गई थीं।

महाराष्ट्र में अपने दम पर चुनाव लड़ेगी मनसे

» राज ठाकरे बोले- किसी भी हालत में मेरी पार्टी सत्ता का हिस्सा बनेगी

» 225-250 सीटों पर चुनाव लड़ने का भरा दंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राज ठाकरे ने अपने दम पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। मनसे पार्टी 225 से 250 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। राज ठाकरे ने कहा कि किसी भी हालत में मेरी पार्टी सत्ता का हिस्सा होनी चाहिए। आप सभी जन तैयार रहो। किसका प्रस्ताव आएगा, कितनी सीटें मिलेंगी इसका इंतजार नही करना है।

राज ठाकरे लगातार अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं। माना जा रहा है कि राज ठाकरे महाराष्ट्र के सभी ग्रामीण और शहरी कार्यकर्ताओं से मिलकर कई बड़े फैसले ले सकते हैं।

1 अगस्त से महाराष्ट्र दौरे पर निकलेंगे राज

राज ठाकरे ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में मुझे कुछ भी करके महाराष्ट्र नवनिर्माण सेने के पदाधिकारी, कार्यकर्तोंओ को सत्ता में बिठाना है। लोग मुझे पर हंसेंगे पर मुझे कुछ फर्क नहीं पड़ेगा, पर यह होने वाला है। किसके साथ गठबंधन होगा, कितनी सीटें मिलेगी इस भ्रम में ना रहे। हम 225 से 250 सीटों पर लड़ेंगे। उंची आवाज में घोषणा देने का मतलब आपको टिकट मिलेगा ऐसा नहीं है। मैं 1 अगस्ट से महाराष्ट्र के दौरै पर निकल रहा हूं।

मुख्यमंत्री पद पर होके इ सब बात नहीं बोलना चाहिए : राबड़ी देवी

सीएम नीतीश कुमार पर भड़कीं पूर्व मुख्यमंत्री

» राजद की महिला विधायक रेखा देवी पर नीतीश के भड़कने के मामले पर गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राजद की महिला विधायक रेखा देवी पर भड़कने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। इसको लेकर विधान परिषद की नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी ने सदन में कड़ी प्रतिक्रिया दी और इस दौरान वो अपने परिवार को लेकर भावुक भी दिखीं। सीएम नीतीश कुमार और सांसद ललन सिंह पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने कितनी खराब बात बोली है।

मुख्यमंत्री होके इ सब बात बोलना चाहिए? राबड़ी ने कहा कि उनसे ज्यादा उनकी पार्टी के सदस्य ललन सिंह हैं जो बाहर में निकल करके ऐसी बात बोल रहे हैं। इस पर विधान परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री ने तो खेद प्रकट किया है। इस पर राबड़ी देवी ने कहा सब लोगों ने देखा है बाकी आप लोग अनजान बन रहे हैं। सारा लोग देखा है, देश और दुनिया ने देखा है। बार-बार महिला को अपमान करने वाली पार्टी ये लोग हैं।

बार-बार काहे लालू और उनके परिवार का नाम लेते हैं

राबड़ी देवी ने कहा कि लालू जी नहीं है ,तेजस्वी सदन में नहीं हैं, लेकिन सब लोग नाम लेता है। क्यों नाम लेता है? लालू जी का काहे नाम लेता है लोग? हम लोग किसी का नाम लेते हैं क्या? चाहे कोई के बाल बच्चा के या कोई के परिवार का। लेकिन ये लोग बार-बार परिवार का नाम लेते हैं। हमनी के परिवार पर, लालू के परिवार पर हर चीज में नाम लिया जाता है। थोड़ा सा कोई भी काम होता है तो लालू यादव। यह बात बोलते बोलते राबड़ी देवी भावुक हो गईं।

जेल का बजट बढ़ाया जाए : संजय सिंह

» आप सांसद बोले- आज हमको जेल में डाला है, कल तुमको जेल में जाना है

» बोले- मोदी सरकार नौजवानों के लिए लाएगी 'भीख मांगो योजना'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में बजट पर चर्चा जारी रही। इस दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मोदी सरकार पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि बजट में आम लोगों के लिए कुछ भी नहीं है। संजय सिंह ने कहा कि अब मोदी सरकार में एक ही योजना बाकी है।

वो योजना है इस देश के नौजवानों को कटोरा बांटा जाएगा, भीख मांगो योजना। आपने कहा पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, इसका लाभ किसे मिल रहा है। वो है आपके चंद उद्योगपति। रेहड़ी पटरी वालों के लिए कुछ नहीं है।

दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यकों से नफरत करती है बीजेपी

आप राज्यसभा सांसद ने कहा कि आपने रेहड़ी पटरी वालों से कहा कि नेमप्लेट लगाओ। बताओ कि हिंदू हो या मुसलमान, दलित हो या पिछड़े, आदिवासी। लगवाना ही है नेमप्लेट तो लगवाइए नेमप्लेट नीरव मोदी के गले में। विजय माल्या के गले में। सिंह ने आगे कहा कि मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि ये धर्मनिरपेक्ष देश है। यहां इस तरह का काम नहीं होना चाहिए। अभी चुनाव हारे हैं यूपी में। अगर कोई जाटव ढाबा लिखेगा, वाल्मिकी ढाबा लिखेगा तो आपलोग वहां खाने नहीं जाएंगे। मैं जानता हूं आपकी मानसिकता। आपने राम मंदिर के शिलान्यास में रामनाथ कोविंद को नहीं बुलाया। आप दलित, आदिवासी, पिछड़ों से, अल्पसंख्यकों से नफरत करने का काम करते हैं।

आपका मकसद न्याय दिलाना नहीं, जेल में डालना है

संजय सिंह ने कहा कि बजट में जेल को भी कम बजट दिया है। जेल का बजट तो बढ़ा दीजिए। 300 करोड़ रुपये है। आज हमको जेल में भेजा है। कल तुमको (सत्ता पक्ष) जेल जाना है। तुम सबको जेल में आना है। जेल का बजट बढ़ा दो। अगला नंबर तुम्हारा है। संजय सिंह ने कहा कि आपका मकसद न्याय दिलाना नहीं है। सभी को जेल में डालना आपका मकसद है। आपने दिल्ली के सीएम को जेल में डाल दिया। उनका शुगर 36 बार 50 से कम हो चुका है। दिल्ली के शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्री को जेल में रखा। विपक्ष के नेताओं को जेल भेजा गया। आपका मकसद ट्रायल कराना नहीं है, जेल में डालना है। जितना जेल में डालोगे, उतना गर्त में जाओगे। ऐसे करोगे तो 240 से 24 पर आओगे।

फोटो: सुमित कुमार

रजत जयंती समारोह कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित रजत जयंती समारोह में राजधानी स्थित कारगिल स्मृति वाटिका में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर सीएम योगी ने शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया।

मंत्री जी यहां कब मारेंगे छापा! बिना डॉक्टर के ही चल रहा मेकवेल हॉस्पिटल

» 4PM की पड़ताल में खुले अस्पताल के कई राज

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर प्रदेश की योगी सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बड़े-बड़े दंभ भरती है, दूसरी ओर जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है। ऐसे में सवाल ये उठता है कि आखिर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक आए दिन अस्पतालों के औचक निरीक्षण में क्या देखने जाते हैं। दरअसल, राजधानी लखनऊ के ही एक अस्पताल में बड़ी लापरवाही देखने को मिली है। राजधानी शहर के मेकवेल हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही देखने को मिली है। हॉस्पिटल के अंदर कोई भी सीनियर डॉक्टर ही नहीं मिला।

शिकायत मिलने पर हॉस्पिटल की जमीनी हकीकत को जानने के लिए जब 4PM की टीम अस्पताल पहुंची और डॉक्टर से बात करनी चाही तो काफी देर तक कोई भी डॉक्टर नहीं आया। उसके बाद रिसेप्शन पर बैठे व्यक्ति से पूछा गया कि डॉक्टर कितने देर में आयेंगे तो बोले अभी डॉक्टर मीटिंग में हैं। लेकिन असली खेला तो आगे हुआ, जब पड़ताल करने पर पता चला कि अस्पताल में कोई डॉक्टर हैं ही नहीं और न ही कोई मीटिंग चल रही है।

पूरे अस्पताल में मिले सिर्फ एक वॉर्ड बॉय और नर्स

अस्पताल की पोल खुलते देख और मामले को बढ़ता देख अस्पताल के मालिक आनन फानन में पहुंचे और बोले कि यहां सब कुछ ठीक है। सभी डॉक्टर हॉस्पिटल में मौजूद हैं। लेकिन फिर हॉस्पिटल के मालिक से पूछा गया कि आपके डॉक्टर कहां है, उनसे बात करनी है। तब वो आईसीयू वार्ड में ले गए लेकिन वहां भी कोई डॉक्टर नहीं मिला। सिर्फ नर्स और एक स्टाफ बॉय मिला। हालांकि, इसके बाद एक व्यक्ति ने कहा कि वो डॉक्टर है। लेकिन जब उनसे बात करनी चाही तो वो कैमरे पर कुछ भी बोलने से बचते दिखे।

मरीजों की जिंदगी से हो रहा खिलवाड़

ऐसे अस्पताल सामने आने के बाद सवाल ये ही क्या ऐसे हॉस्पिटल अवैध तरीके से चल रहे हैं और लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। इस दौरान हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों के परिवार से बात की गई तो पता चला कि बाराबंकी रामसनेही घाट के पास से एक व्यक्ति द्वारा भेजा गया है। वहीं दूसरे मरीज को लाए जो लोहिया हॉस्पिटल इलाज कराने आया था। जिसको लोहिया हॉस्पिटल के बाहर एक एंबुलेंस चालक ने बताया कि लोहिया हॉस्पिटल में अच्छा इलाज नहीं मिल पाएगा। उसने मेकवेल का नाम बताकर उसे भी यहां भर्ती कराया। इसी तरह से प्राइवेट हॉस्पिटलों का धंधा चल रहा है। सवाल लखनऊ सीएमओ भी पर उठता है कि आखिर ऐसे अस्पतालों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। साथ ही अस्पतालों की ऐसी हालत डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक की सख्त कार्यवाहियों पर भी सवाल उठाते हैं। आखिर कब स्वास्थ्य मंत्री ऐसे अस्पतालों पर एक्शन लेंगे। जो गरीबों से मोटी रकम तो वसूल रहे हैं, लेकिन उन्हें ढंग का इलाज तक नहीं दे पा रहे हैं।

पूर्व विधायक इंदल रावत को पुलिस ने किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ के गोमती नगर में पुलिस ने पूर्व विधायक इंदल रावत को जालजासी के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। इंदल रावत लखनऊ की मलीहाबाद सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक रहे हैं। पुलिस ने उन्हें करोड़ों रुपयों की ठगी के मामले में गिरफ्तार किया है। उन पर एक रियल स्टेट कंपनी के साथ धोखाधड़ी करके करोड़ों की रकम हड़पने का आरोप लगा है।

पुलिस ने करीब दो घंटे की पूछताछ के बाद इंदल रावत को गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है उन्होंने रियल स्टेट कंपनी राज इंफ्रा हाउसिंग के साथ जिस जमीन का सौदा किया था वो जमीन उनके नाम पर ही नहीं थी। इंदल रावत ने फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार कर रजिस्ट्री करवाकर कंपनी से ठगी थी। जिसके बाद उन्होंने गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि इंदल रावत साल 2012 से 2017 तक लखनऊ की मलीहाबाद सीट से विधायक रह चुके हैं। पिछले दिनों लोकसभा चुनाव से पहले ही वो समाजवादी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे।

इंदल रावत पर रियल स्टेट कंपनी ने फरवरी के महीने में केस दर्ज कराया था। शिकायत में आरोप लगाया कि साल 2014 में उन्होंने कंपनी से संपर्क किया और कहा कि उनके पास बेहटा सबौली स्थित एक जमीन है। जिसके बाद कंपनी ने जमीन का सौदा करते हुए विधायक के साथ एग्रीमेंट कर लिया। इसके एवज में रियल स्टेट कंपनी ने पूर्व विधायक को करोड़ों रुपये चुकाए।

फोटो: 4पीएम

धरना उत्तर प्रदेश माध्यमिक तदर्थ शिक्षकों ने सेवा बहाली और विनियमितिकरण की माँग को लेकर पार्क रोड स्थित माध्यमिक शिक्षा निदेशालय पर किया प्रदर्शन।

कांवड़ यात्रा मामले में यूपी सरकार ने कोर्ट में दिया जवाब

» कहा- यात्रा के दौरान पारदर्शिता कायम रखने के लिए दिया था आदेश

» शीर्ष अदालत ने जारी रखा है आदेश पर अंतरिम रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानों पर नामपट्टिका लगाने के अपने आदेश का बचाव किया है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए राज्य सरकारों को आज जवाब देने को कहा था। जिसके बाद यूपी सरकार ने अपना जवाब दाखिल किया है। वहीं आज सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने का अपना अंतरिम आदेश जारी रखा।

कोर्ट में दायर अपने हलफनामे में यूपी सरकार ने कहा कि उसके दिशा-निर्देश कांवड़ यात्रा के शांतिपूर्ण समापन और पारदर्शिता कायम करने के लिए उद्देश्य से दिए गए थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि निर्देश के पीछे का उद्देश्य कांवड़ यात्रा के दौरान पारदर्शिता कायम करना और यात्रा के दौरान उपभोक्ताओं/कांवड़ियों को उनके द्वारा खाए जाने वाले भोजन के बारे में जानकारी देना था। ये निर्देश कांवड़ियों की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखकर दिए गए ताकि वे गलती से कुछ ऐसा न खाएं, जो उनकी आस्थाओं के खिलाफ हो।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।